

BAKK- 202

पूजन एवं देवस्थापन विधान

कला में स्नातक (कर्मकाण्ड) बी.ए.- 12/16/17

द्वितीय वर्ष, सत्र -2019

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है, जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। विद्यार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड - 'क'

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित है। विद्यार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पौराणिक दृष्टि से कलशोत्पत्ति का वर्णन कीजिये।
2. बौधायनोक्त पुण्याहवाचन विधि का उल्लेख कीजिये।
3. नवग्रह स्थापन की वैदिक विधि का लेखन कीजिये।
4. क्षेत्रपाल एवं दस दिक्पालों का प्रतिपादन कीजिये।

खण्ड - 'ख'

लघु उत्तरीय प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। विद्यार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निष्काम संकल्प का लेखन कीजिये।
2. भूमि परीक्षण का संक्षिप्त उल्लेख कीजिये।
3. अभिषेक क्या है?
4. दुर्वा, सिन्दुर, अक्षत एवं पुष्प चढ़ाने का मन्त्र लिखिये।
5. षोडशोपचार कलश पूजन का वर्णन कीजिये।
6. षोडशमातृका चक्र का स्पष्टतया निर्माण कीजिये।
7. नवग्रहों के स्वरूप का उल्लेख कीजिये।
8. वास्तोष्पत्ति से आप क्या समझते हैं?

खण्ड- 'ग'

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट: खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्न में 'पंचवक्त्र' किसे कहा गया है -
अ. विष्णु ब. शिव
स. ब्रह्मा द. राम
2. कलश में देवताओं का क्या निवास करता है?
अ. रत्न ब. कला
स. अंश द. औषधि
3. कश्यप के पुत्र किसे कहा जाता है?
अ. चन्द्र ब. सूर्य
स. शनि द. मंगल
4. कलश का मुख कितने अंगुल का होना चाहिये?
अ. चार ब. पाँच
स. आठ द. दस
5. सप्तधृतमातृका में कितने मातृकायें होती हैं?
अ. चार ब. सोलह
स. सात द. नौ
6. धर्मग्रन्थानुसार श्राद्ध कितने प्रकार के होते हैं ।
अ. 5 ब. 6
स. 7 द. 8

